

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 349]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 13 मई 2022 — वैशाख 23, शक 1944

उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 13 मई 2022

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-32/2021/38-2. — छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 668/पी.यू./एस.एण्ड.ओ./2016/16796, दिनांक 08-04-2022 द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय, ग्राम—कोटनी पलौद, तह. —आरंग, जिला—रायपुर (छत्तीसगढ़) के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 135 से 155 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29(2) के तहत किया गया है.

- राज्य शासन, एतद्वारा, उपरोक्त अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है.
- उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
भुवनेश यादव, सचिव.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -135

बैचलर ऑफ आर्ट्स बैचलर ऑफ एजुकेशन – बीए बी.एड.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-135 बैचलर ऑफ आर्ट्स बैचलर ऑफ एजुकेशन संक्षिप्त नाम बीए बी.एड. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ आर्ट्स बैचलर ऑफ एजुकेशन.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ आर्ट्स बैचलर ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि चार साल (आठ सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 08 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 50 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ आर्ट्स बैचलर ऑफ एजुकेशन ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -136

बैचलर ऑफ साइंस बैचलर ऑफ एजुकेशन – बी.एससी. बी.एड.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-136 बैचलर ऑफ साइंस बैचलर ऑफ एजुकेशन संक्षिप्त नाम बी.एससी. बी.एड. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ साइंस बैचलर ऑफ एजुकेशन.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ साइंस बैचलर ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि चार साल (आठ सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 08 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित/जीव विज्ञान के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 50 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " बैचलर ऑफ साइंस बैचलर ऑफ एजुकेशन " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -137
बैचलर ऑफ कामर्स बैचलर ऑफ एजुकेशन – बी.कॉम. बी.एड.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-137 बैचलर ऑफ कामर्स बैचलर ऑफ एजुकेशन संक्षिप्त नाम बी.कॉम. बी.एड. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ कामर्स बैचलर ऑफ एजुकेशन.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ कामर्स बैचलर ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि चार साल (आठ सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 08 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 50 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ कामर्स बैचलर ऑफ एजुकेशन ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -138

डिप्लोमा इन फार्मसी – डी. फार्म.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-138 डिप्लोमा इन फार्मसी संक्षिप्त नाम डी.फार्म के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

डिप्लोमा इन फार्मसी.

3. संकाय :

डिप्लोमा इन फार्मसी हेल्थ एंड एलाइड साइंस/पैरामेडिकल/नर्सिंग संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

1. पाठ्यक्रम की अवधि दो शैक्षणिक वर्षों के लिए होगी। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष कम से कम एक सौ अस्सी कार्य दिवसों की अवधि का होगा.
2. इसके अलावा कम से कम तीन महीने की अवधि में पांच सौ घंटे का व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा.

5. पात्रता :

फार्मसी में डिप्लोमा में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता-भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान या गणित के साथ 10+2 परीक्षा (विज्ञान शैक्षणिक स्ट्रीम) में उत्तीर्ण.

या

उपरोक्त परीक्षा के समकक्ष भारतीय फार्मसी परिषद द्वारा अनुमोदित कोई अन्य योग्यता.

केंद्र सरकार/राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण होगा

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 50% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 50% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 50% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 50% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " डिप्लोमा इन फार्मसी " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -139
बैचलर ऑफ फार्मेसी – बी. फार्म.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-139 बैचलर ऑफ फार्मेसी संक्षिप्त नाम बी.फार्म के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ फार्मेसी.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ फार्मेसी हेल्थ एंड एलाइड साइंस/पैरामेडिकल/नर्सिंग संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

बी.फार्म पाठ्यक्रम की अवधि के लिए आठ सेमेस्टर (चार शैक्षणिक वर्ष) और लेटरल एंट्री हेतु छः सेमेस्टर (तीन शैक्षणिक वर्ष) की अवधि की होगी। कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम भारतीय फार्मेसी परिषद , नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा.

5. पात्रता :

प्रथम वर्ष बी.फार्म:

उम्मीदवार को संबंधित राज्य/केंद्र सरकार के अधिकारियों द्वारा आयोजित 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, जो कि भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 परीक्षा के समकक्ष मान्यता प्राप्त है, अंग्रेजी विषयों में से एक के रूप में भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित (पीसीएम) और या जीव विज्ञान (पीसीबी/पीसीएमबी) व्यक्तिगत रूप से वैकल्पिक विषयों के रूप में. उपरोक्त किसी भी परीक्षा के समकक्ष भारतीय फार्मेसी परिषद द्वारा अनुमोदित कोई अन्य योग्यता.

बी.फार्म लेटरल एंट्री (तीसरे सेमेस्टर में):

डी.फार्म पास. फार्मेसी अधिनियम की धारा 12 के तहत भारतीय फार्मेसी परिषद द्वारा अनुमोदित संस्थान से पाठ्यक्रम.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 50% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 50% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 50% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 50% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ फार्मेसी ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -140

मास्टर ऑफ फार्मसी – एम. फार्म. (फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-140 मास्टर ऑफ फार्मसी संक्षिप्त नाम एम.फार्म (फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री) के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ फार्मसी.

3. संकाय :

मास्टर ऑफ फार्मसी हेल्थ एंड एलाइड साइंस/पैरामेडिकल/नर्सिंग संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष (एम.फार्म (भाग-1)) शैक्षणिक अवधि के प्रारंभ से 12 महीने के लिए होगी तथा अन्य 12 महीनों के लिए (एम.फार्म (भाग-2)) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी.

5. पात्रता :

फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित किसी भारतीय विश्वविद्यालय से बी.फार्म डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए तथा अधिकतम अंको का कम से कम 55% (बी.फार्म के चार साल का कुल स्कोर किया हो)

(क) बी.फार्म पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के पश्चात् कम से कम 05 वर्ष का पेशेवर अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों के लिए एम.फार्म पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 50% से 55% प्रतिशत तक की छूट होगी.

(ख) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए सीटों का आरक्षण केंद्र सरकार/राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी होगा.

(ग) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित अंको का प्रतिशत अधिकतम अंको का 50% होगा (बी.फार्म के चार साल का कुल अंक)

(घ) किसी भी फार्मसी संस्थान में स्नातकोत्तर फार्मसी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चयनित प्रत्येक छात्र को फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ पंजीकरण प्राप्त करना होगा या अपने प्रवेश की तारीख के एक महीने के भीतर पंजीकरण प्राप्त करना होगा, ऐसा ना करने पर उम्मीदवार को रद्द कर दिया जायेगा.

6. सीट :

मूल इकाई 30 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश बी.फार्मा परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।

- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्य और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 50% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत् मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 50% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 50% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 50% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " मास्टर ऑफ फार्मैसी " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -141
बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन (बीएफडी)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-141 बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन संक्षिप्त नाम बीएफडी के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि तीन साल (छः सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 06 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या अन्य किसी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क -142
मास्टर ऑफ फैशन डिजाइन (एमएफडी)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-142 मास्टर ऑफ फैशन डिजाइन संक्षिप्त नाम एमएफडी के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ फैशन डिजाइन.

3. संकाय :

मास्टर ऑफ फैशन डिजाइन अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि ढाई साल (पांच सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 05 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

12वीं कक्षा के बाद या 12वीं कक्षा के समकक्ष सम्बन्धित विषय में न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि की स्नातक डिग्री होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी.

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी.
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा.
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी.

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा.

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " मास्टर ऑफ फैशन डिजाइन " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -143
बैचलर ऑफ इंटरियर डिजाइन (बीआईडी)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-143 बैचलर ऑफ इंटरियर डिजाइन संक्षिप्त नाम बीआईडी के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ इंटरियर डिजाइन.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ इंटरियर डिजाइन अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि तीन साल (छः सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 06 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या अन्य किसी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ इंटीरियर डिजाइन ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -144
मास्टर ऑफ इंटरियर डिजाइन (एमआईडी)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-144 मास्टर ऑफ इंटरियर डिजाइन संक्षिप्त नाम एमआईडी के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ इंटरियर डिजाइन.

3. संकाय :

मास्टर ऑफ इंटरियर डिजाइन अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि ढाई साल (पांच सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 05 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

12वीं कक्षा के बाद या 12वीं कक्षा के समकक्ष संबंधित विषय में न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि की स्नातक डिग्री होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश संबंधित विषय के साथ स्नातक डिग्री की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " मास्टर ऑफ इंटीरियर डिजाइन " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -145

बैचलर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस)- बी.एससी. (फॉरेंसिक साइंस)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-145 बैचलर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस) संक्षिप्त नाम बी.एससी. (फॉरेंसिक साइंस) के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस).

3. संकाय :

बैचलर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस) विज्ञान संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि तीन साल (छः सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 06 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या अन्य किसी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से (भौतिकी/रसायन विज्ञान/गणित/वनस्पति विज्ञान/जीव विज्ञान) में से कोई भी तीन विषयों के साथ 10+2 परीक्षा न्यूनतम कुल 50% अंको के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " बैचलर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस) " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्रं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -146

मास्टर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस)- एम.एससी. (फॉरेंसिक साइंस)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-146 मास्टर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस) संक्षिप्त नाम एम.एससी. (फॉरेंसिक साइंस) के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस).

3. संकाय :

मास्टर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस) विज्ञान संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि दो साल (चार सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

बी.एससी. (फॉरेंसिक साइंस)/ बी.एससी./ एम.बी.बी.एस/ बी.डी.एस/ बी.फार्मा की डिग्री जिसमें एंथ्रोपोलॉजी, जैव रसायन, जैव सूचना विज्ञान, जैवभौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, अनुवांशिकी, गणित, सूक्ष्म जीव विज्ञान, भौतिकी, सांख्यिकी, और जीव विज्ञान में से कोई दो विषय होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 30 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश संबंधित विषय में स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ मास्टर ऑफ साइंस (फॉरेंसिक साइंस) ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -147
बैचलर ऑफ होम साइंस – बी.एच.एससी.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-147 बैचलर ऑफ होम साइंस संक्षिप्त नाम बी.एच.एससी. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ होम साइंस.

3. संकाय :

बैचलर ऑफ होम साइंस कला एवं मानविकी संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि तीन साल (छः सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 06 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या अन्य किसी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से 10+2 के साथ परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ होम साइंस" उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्रं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -148
मास्टर ऑफ होम साइंस – एम.एच.एससी.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-148 मास्टर ऑफ होम साइंस संक्षिप्त नाम एम.एच.एससी. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ होम साइंस.

3. संकाय :

मास्टर ऑफ होम साइंस कला एवं मानविकी संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि दो साल (चार सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक डिग्री में उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 30 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश संबंधित विषय में स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " मास्टर ऑफ होम साइंस " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -149
बैचलर ऑफ़ ऐजुकेशन— स्पेशल ऐजुकेशन (बी.एड.स्पे.ऐजु.)

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-149 बैचलर ऑफ़ ऐजुकेशन —स्पेशल ऐजुकेशन संक्षिप्त नाम बी.एड. स्पे.ऐजु. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ़ ऐजुकेशन—स्पेशल ऐजुकेशन .

3. संकाय :

बैचलर ऑफ़ ऐजुकेशन—स्पेशल ऐजुकेशन शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि दो साल (चार सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

यू.जी.सी. द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 50 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिह्नित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " बैचलर ऑफ एजुकेशन— स्पेशल एजुकेशन " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -150

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड

बी.टेक. + एम.टेक. इंटीग्रेटेड

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-150 बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड संक्षिप्त नाम बी.टेक. + एम.टेक. इंटीग्रेटेड के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड .

3. संकाय :

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि पांच साल (दस सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 10 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या किसी अन्य मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से रसायन विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी /जीव विज्ञान/तकनीकी व्यावसायिक विषयों में से एक के साथ अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी और गणित के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा.छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिह्नित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -151

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड

बी.टेक. + एमबीए इंटीग्रेटेड

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-151 बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड संक्षिप्त नाम बी.टेक. + एमबीए इंटीग्रेटेड के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड .

3. संकाय :

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि पांच साल (दस सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 10 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या किसी अन्य मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से रसायन विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी /जीव विज्ञान/तकनीकी व्यावसायिक विषयों में से एक के साथ अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी और गणित के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -152

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड
बीबीए + एमबीए इंटीग्रेटेड

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-152 बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड संक्षिप्त नाम बीबीए + एमबीए इंटीग्रेटेड के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड .

3. संकाय :

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि चार साल (आठ सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 08 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या किसी अन्य मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिह्नित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -153

एकजीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन—

एकजीक्यूटिव एमबीए

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-153 एकजीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन संक्षिप्त नाम एकजीक्यूटिव एमबीए के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

एकजीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन.

3. संकाय :

एकजीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि एक साल (दो सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 02 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

कम से कम 03 साल का कार्य अनुभव अर्ध सरकारी/निजी क्षेत्र के साथ यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह " एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन " उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -154
मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी- एम.पीटी

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-154 मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी संक्षिप्त नाम एम.पीटी के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी.

3. संकाय :

मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी हेल्थ एंड एलाइड साइंस/पैरामेडिकल/नर्सिंग संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि दो साल (चार सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी उत्तीर्ण होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी की परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा.

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।

- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड :(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिह्नित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -155
मास्टर ऑफ डिजाइन- एम.डिईएस.

1. परिचय :

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-155 मास्टर ऑफ डिजाइन संक्षिप्त नाम एम.डिईएस. के रूप में जाना जाएगा.

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ डिजाइन.

3. संकाय :

मास्टर ऑफ डिजाइन अभियांत्रिकी/ प्रौद्योगिकी/ वास्तुशास्त्र/ डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा.

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि ढाई साल (पांच सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि 05 वर्ष होगी.

5. पात्रता :

मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान से संबंधित विषय में न्यूनतम 04 वर्ष की स्नातक डिग्री होना चाहिए.

6. सीट :

मूल इकाई 30 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी.

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। संबंधित स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा. छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा.

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन :

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम :

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60 व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक संगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी वर्षों में उत्तीर्ण हुआ, वह “ मास्टर ऑफ डिज़ाइन ” उपाधि के लिए पात्र होगा.

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा.
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा.

अटल नगर, दिनांक 13 मई 2022

क्रमांक एफ 3-32/2021/38-2. — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-05-2022 का अंग्रेजी अनुवाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
भुवनेश यादव, सचिव.

Atal Nagar, the 13th May 2022

NOTIFICATION

No. F 3-32/2021/38-2. — Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 668/PU/S&O/2016/16796, Dated 08-04-2022 has approved the subsequent Ordinance No. 135 to 155 of Kalinga University, Village-Kotni Palod, Teh.-Arang, Distt.-Raipur (Chhattisgarh), Under Section 29(2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of above Ordinances in Official Gazette.
3. The above Ordinances shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
BHUVANESH YADAV, Secretary.

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 135
Bachelor of Arts Bachelor of Education- BA B. Ed.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. - 135 Bachelor of Arts Bachelor of Education, abbreviated as BA B. Ed.

2. TITLE :

Bachelor of Arts Bachelor of Education.

3. FACULTY :

Bachelor of Arts Bachelor of Education program will be under Faculty of Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Four years (Eight semesters) and Maximum Duration will be 08 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 50 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the

prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.

- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Bachelor of Arts Bachelor of Education" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 136
Bachelor of Science Bachelor of Education- B. Sc. B. Ed.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. - 136 Bachelor of Science Bachelor of Education, abbreviated as B. Sc. B. Ed.

2. TITLE :

Bachelor of Science Bachelor of Education.

3. FACULTY :

Bachelor of Science Bachelor of Education program will be under Faculty of Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Four years (Eight semesters) and Maximum Duration will be 08 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination with Physics, Chemistry, Mathematics / Biology.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 50 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the _____ or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Bachelor of Science Bachelor of Education" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 137
Bachelor of Commerce Bachelor of Education- B. Com. B. Ed.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. - 137 Bachelor of Commerce Bachelor of Education, abbreviated as B. Com. B. Ed.

2. TITLE :

Bachelor of Commerce Bachelor of Education.

3. FACULTY :

Bachelor of Commerce Bachelor of Education program will be under Faculty of Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Four years (Eight semesters) and Maximum Duration will be 08 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 50 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Bachelor of Commerce Bachelor of Education" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 138
Diploma in Pharmacy- D. Pharm.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 138 Diploma in Pharmacy, abbreviated as D. Pharm.

2. TITLE

Diploma in Pharmacy.

3. FACULTY :

Diploma in Pharmacy program will be under Faculty of Health & Allied Science/Paramedical/Nursing.

4. DURATION :

1. The duration of the course shall be for two academic years. Each academic year shall be spread over a period of not less than one hundred and eighty working days.
2. In addition there shall be a five hundred hours of practical training spread over a period of not less than three months

5. ELIGIBILITY :

Minimum qualification for admission to Diploma in Pharmacy-A pass in 10+2 examination (science academic stream) with Physics, Chemistry and Biology or Mathematics.

Or

Any other qualification approved by the Pharmacy Council of India as equivalent to the above examination.

Provided that there shall be reservation of seats for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates in accordance with the instructions issued by the Central Government /State Governments /Union territory administrations as the case may be from time to time.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification, on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 50% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 50% marks separately in each subject/paper in end semester examination. And 50% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 50% of aggregate marks in a paper and less than 50% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.

- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Diploma in Pharmacy” Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements .
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 139
Bachelor of Pharmacy- B. Pharm.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 139 Bachelor of Pharmacy, abbreviated as B. Pharm.

2. TITLE

Bachelor of Pharmacy.

3. FACULTY :

Bachelor of Pharmacy program will be under Faculty of Health & Allied Science/Paramedical/Nursing.

4. DURATION :

The course of study for B. Pharm shall extend over a period of eight semesters (four academic years) and six semesters (three academic years) for lateral entry students. The curricula and syllabi for the program shall be prescribed from time to time by Pharmacy Council of India, New Delhi.

5. ELIGIBILITY :

First year B. Pharm:

Candidate shall have passed 10+2 examination conducted by the respective state/central government authorities recognized as equivalent to 10+2 examination by the Association of Indian Universities (AIU) with English as one of the subjects and Physics, Chemistry, Mathematics (P.C.M) and or Biology (P.C.B / P.C.M.B.) as optional subjects individually. Any other qualification approved by the Pharmacy Council of India as equivalent to any of the above examinations.

B. Pharm lateral entry (to third semester):

A pass in D. Pharm. course from an institution approved by the Pharmacy Council of India under section 12 of the Pharmacy Act.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification, on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 50% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 50% marks separately in each subject/paper in end semester examination. And 50% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 50% of aggregate marks in a paper and less than 50% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Pharmacy” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements .
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 140

Master of Pharmacy- M. Pharm. (Pharmacology, Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 140. Master of Pharmacy, abbreviated as M. Pharm. (Pharmacology, Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry).

2. TITLE

Master of Pharmacy.

3. FACULTY :

Master of Pharmacy program will be under Faculty of Health & Allied Science/Paramedical/Nursing.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two year (M. Pharm (Part-I) extending for 12 months from the commencement of the academic term and M. Pharm (Part-II) of another 12 months) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed B. Pharm degree examination of an Indian University established by law in India from an institution approved by Pharmacy Council of India and has scored not less than 55% of the maximum marks (aggregate of four years of B. Pharm)..

Provided that –

- a) For candidates having not less than 5 years professional experience, after passing B. Pharm course, there shall be a relaxation in pass percentage from 55% to 50% for admission to M. Pharm programme.
- b) There shall be reservation of seats for the students belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes in accordance with the instructions issued by the Central Government/State Government/Union Territory Administration, as the case may be, from time to time.
- c) For SC/ST candidates the prescribed percentage of marks will be 50 % of the maximum marks (aggregate of four years of B. Pharm).
- d) Every student, selected for admission to postgraduate pharmacy course in any of the pharmacy institution in the country should have obtained Registration with the State Pharmacy Council or should obtain the same within one month from the date of his admission, failing which the admission of the candidate shall be cancelled

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of B. Pharm. Degree. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification, on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 50% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 50% marks separately in each subject/paper in end semester examination. And 50% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 50% of aggregate marks in a paper and less than 50% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.

- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Master of Pharmacy (with the area of specialization)” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements .
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 141
Bachelor of Fashion Design (BFD)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 141. Bachelor of Fashion Design abbreviated as BFD.

2. TITLE :

Bachelor of Fashion Design.

3. FACULTY :

Bachelor of Fashion Design program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/ Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Fashion Design” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 142
Master of Fashion Design (MFD)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 142 Master of Fashion Design abbreviated as MFD.

2. TITLE :

Master of Fashion Design.

3. FACULTY :

Master of Fashion Design program will be under Faculty of Engineering/Technology/Architecture/Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 2½ years (5 semesters) and Maximum Duration will be 05 Years.

5. ELIGIBILITY :

Bachelor Degree of minimum 3-year duration with relevant subjects, after 12th standard or equivalent to 12th standard.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Bachelor's Degree in relevant subject. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Master of Fashion Design” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 143
Bachelor of Interior Design (BID)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 143 Bachelor of Interior Design abbreviated as BID.

2. TITLE :

Bachelor of Interior Design.

3. FACULTY :

Bachelor of Interior Design program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Interior Design” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 144
Master of Interior Design (MID)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 144 Master of Interior Design abbreviated as MID.

2. TITLE :

Master of Interior Design.

3. FACULTY :

Master of Interior Design program will be under Faculty of Engineering/Technology/ Architecture/ Design

4. DURATION :

The duration of the program shall be 2½ years (5 semesters) and Maximum Duration will be 05 Years.

5. ELIGIBILITY :

Bachelor Degree of minimum 3-year duration in relevant subjects, after 12th standard or equivalent to 12th standard.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Bachelor's Degree in relevant subject. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Master of Interior Design” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No-145
Bachelor of Science (Forensic Science)-B.Sc. (Forensic Science)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 145 Bachelor of Science (Forensic Science), abbreviated as B.Sc. (Forensic Science).

2. TITLE :

Bachelor of Science (Forensic Science)

3. FACULTY :

Bachelor of Science (Forensic Science) program will be under Faculty of Science.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years(Six semesters)and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education, having scored minimum 50% aggregate with Science (any three out of Physics/Chemistry/Mathematics/Botany/Zoology) as a subject..

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Science (Forensic Science)” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No-146
Master of Science (Forensic Science) - M.Sc. (Forensic Science)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-146 Master of Science (Forensic Science), abbreviated as M.Sc. (Forensic Science).

2. TITLE :

Master of Science (Forensic Science)

3. FACULTY :

Master of Science (Forensic Science) program will be under Faculty of Science.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

B.Sc. (Forensic Science)/ B.Sc./ M.B.B.S./ B.D.S./B. Pharma. with any two of the subjects, viz., Anthropology, Biochemistry, Bioinformatics, Biophysics, Biotechnology Botany, Chemistry, Computer Science, Genetics, Mathematics, Microbiology, Physics, Statistics, and Zoology

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduation with relevant subject examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Master of Science (Forensic Science)” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 147
Bachelor of Home Science – B.H.Sc.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 147 Bachelor of Home Science, abbreviated as B.H.Sc.

2. TITLE :

Bachelor of Home Science

3. FACULTY :

Bachelor of Home Science program will be under Faculty of Arts & Humanities.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Home Science” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 148
Master of Home Science - M.H.Sc.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 148 Master of Home Science, abbreviated as M.H.Sc.

2. TITLE :

Master of Home Science

3. FACULTY :

Master of Home Science program will be under Faculty of Arts & Humanities.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed graduation degree with relevant subjects from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduation with relevant subject. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “ Master of Home Science ” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No-149
Bachelor of Education - Special Education (B.Ed. Spl.Ed.)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 149 Bachelor of Education - Special Education abbreviated as B.Ed. Spl.Ed.

2. TITLE :

Bachelor of Education - Special Education.

3. FACULTY :

Bachelor of Education - Special Education program will be under Faculty of Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years(Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 50 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduation examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates

selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed

educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.

- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Bachelor of Education - Special Education" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 150
Bachelor of Technology + Master of Technology Integrated
- B. Tech. + M. Tech. Integrated

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 150 Bachelor of Technology + Master of Technology Integrated, abbreviated as B. Tech. + M. Tech. Integrated.

2. TITLE :

Bachelor of Technology + Master of Technology Integrated.

3. FACULTY :

Bachelor of Technology + Master of Technology Integrated program will be under Faculty of Engineering/Technology/Architecture/Design

4. DURATION :

The duration of the program shall be Five years (Ten semesters) and Maximum Duration will be 10 Years.

5. ELIGIBILITY :

Passed 10+2 examination with Physics and Mathematics as compulsory subjects along with one of the Chemistry/ Biotechnology/ Biology/ Technical Vocational subject from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject

attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Technology + Master of Technology Integrated” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 151
Bachelor of Technology + Master of Business Administration Integrated
- B. Tech. + MBA Integrated

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 151 Bachelor of Technology + Master of Business Administration Integrated, abbreviated as B. Tech. + MBA Integrated.

2. TITLE :

Bachelor of Technology + Master of Business Administration Integrated.

3. FACULTY :

Bachelor of Technology + Master of Business Administration Integrated program will be under Faculty of Engineering/Technology/Architecture/Design

4. DURATION :

The duration of the program shall be Five years (Ten semesters) and Maximum Duration will be 10 Years.

5. ELIGIBILITY :

Passed 10+2 examination with Physics and Mathematics as compulsory subjects along with one of the Chemistry/ Biotechnology/ Biology/ Technical Vocational subject from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their

part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Bachelor of Technology + Master of Business Administration Integrated” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 152

Bachelor of Business Administration + Master of Business Administration Integrated
- BBA + MBA Integrated

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 152 Bachelor of Business Administration + Master of Business Administration Integrated, abbreviated as BBA + MBA Integrated.

2. TITLE :

Bachelor of Business Administration + Master of Business Administration Integrated.

3. FACULTY :

Bachelor of Business Administration + Master of Business Administration Integrated program will be under Faculty of Commerce & Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Four years (Eight semesters) and Maximum Duration will be 08 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Bachelor of Business Administration + Master of Business Administration Integrated" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 153
Executive Master of Business Administration - Executive MBA

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 153 Executive Master of Business Administration, abbreviated as Executive MBA.

2. TITLE :

Executive Master of Business Administration.

3. FACULTY :

Executive Master of Business Administration program will be under Faculty of Commerce & Management .

4. DURATION :

The duration of the program shall be One year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C. with minimum 3 years of working experience in any Govt. / Semi Govt. or Private Sector Enterprise.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Graduation Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Executive Master of Business Administration" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 154
Master of Physiotherapy – M.PT

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. - 154 Master of Physiotherapy, abbreviated as M.PT.

2. TITLE :

Master of Physiotherapy.

3. FACULTY :

Master of Physiotherapy program will be under Faculty of Health & Allied Sciences/Paramedical/Nursing.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 2 years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Bachelor of Physiotherapy from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Bachelor of Physiotherapy Degree. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of "Master of Physiotherapy" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 155
Master of Design (M.Des.)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No- 155 Master of Design abbreviated as M.Des.

2. TITLE :

Master of Design.

3. FACULTY :

Master of Design program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/ Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 2½ years (5 semesters) and Maximum Duration will be 05 Years.

5. ELIGIBILITY :

Graduate Degree of minimum 4-year duration with relevant subjects, from any University or institute recognized by law in India.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Bachelor's Degree. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject attendance at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING: (Relevant part of Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter IV point No.12.):

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each paper that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in end semester examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the years shall be eligible for the award of “Master of Design” Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).